Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

भाग - 3

आधुनिक भारत का इतिहास

अध्याय - 10

विद्रोही और राज

भाग - 2

Pritesh Joshi

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

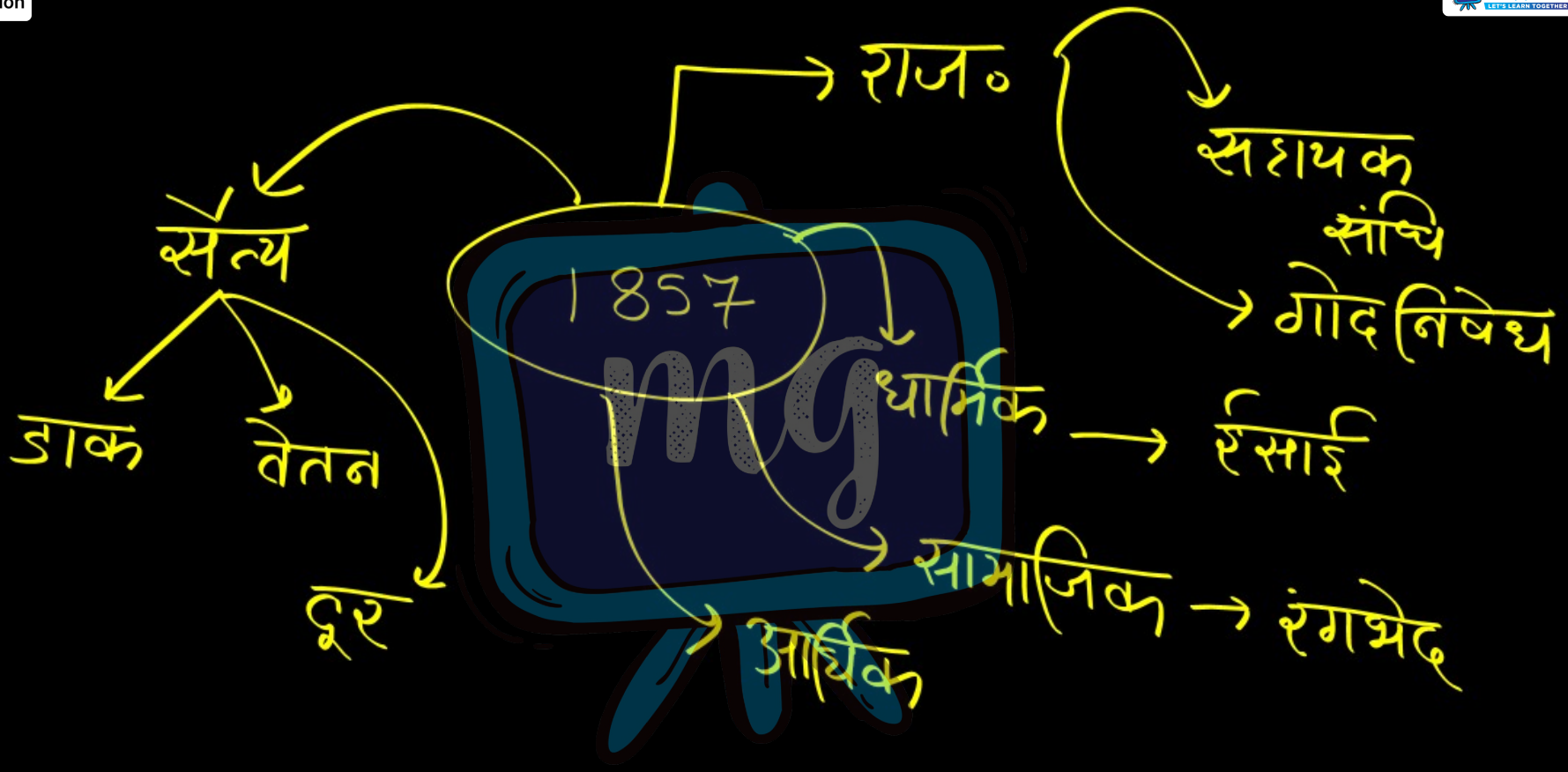

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तात्कालिक कारण :-

- नई एनफील्ड राईफिल्स में प्रयोग होने वाले चर्बी लगे कारतूसों (सूअर तथा गाय की चर्बी) का प्रयोग।
- हिन्दू तथा मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाला।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

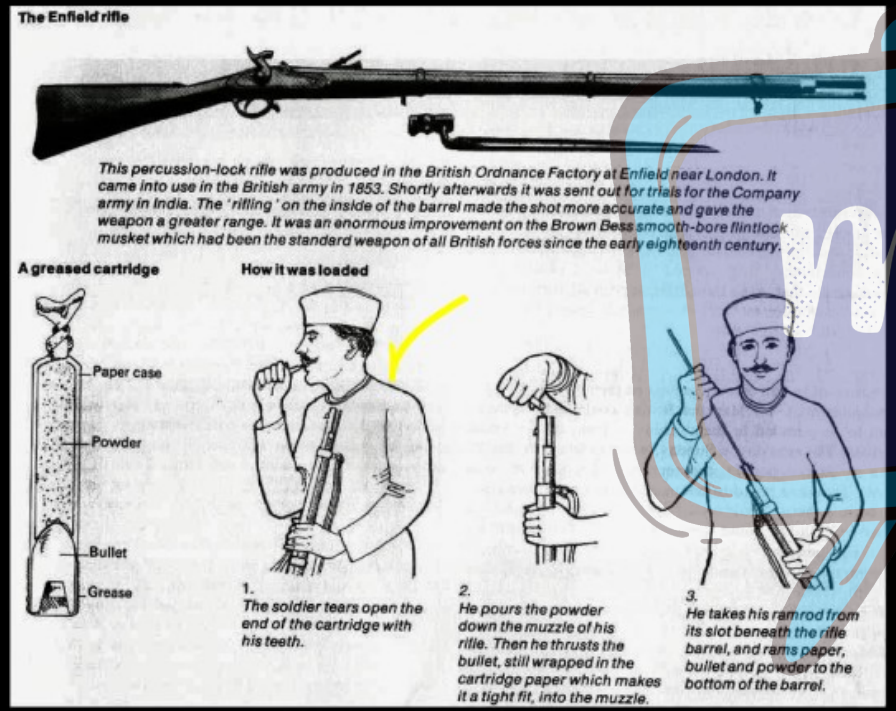

ब्राउन बेश राइफल → एलफील्ड राइफल → चर्बी युक्त कारतूस इस्तेमाल होते थे

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

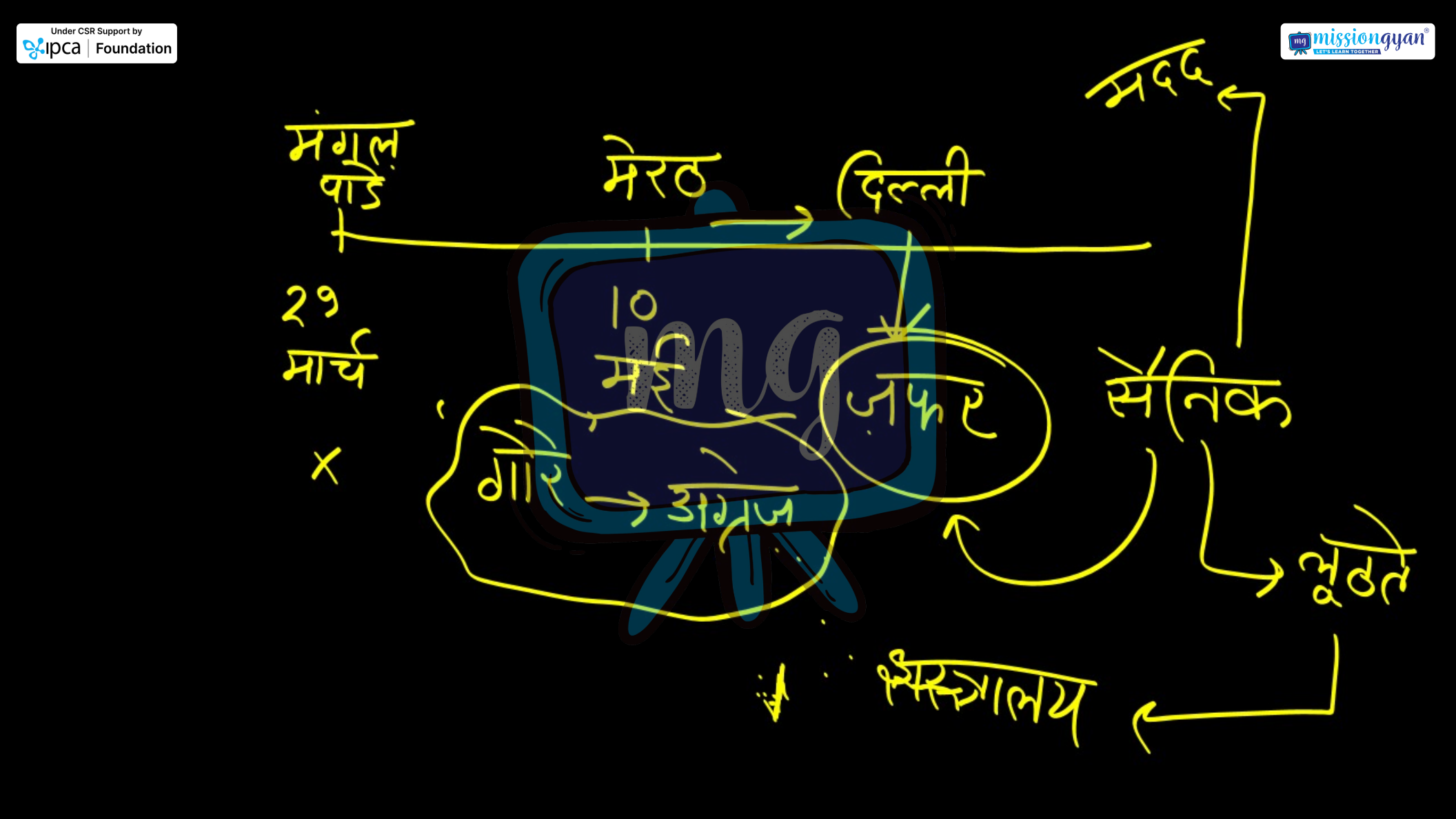

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- तोप का गोला दागे
गार + बिगुल बजाकर
↓
विद्रोह की शुरुआत

सैन्य विद्रोह कैसे शुरू हुए ?

- प्रारम्भ – 10 मई 1857 को मेरठ छावनी से प्रारम्भ हुआ।

दिल्ली में विद्रोह

- नेतृत्व – बहादुरशाह II / बहादुर शाह जफर
- जैसे-जैसे विद्रोह की खबरें एक शहर से दूसरे शहर पहुंचती गयी वैसे-वैसे सिपाही हथियार उठाते गये।
- सिपाही किसी विशेष संकेत के साथ अपनी कार्यवाही शुरू करते थे।
- सबसे पहले उन्होंने शस्त्रागार पर कब्जा किया और सरकारी खजाने को लूटा।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Q. 1857 - विद्रोह की शुरुआत किस प्रकार हुई ?

→ मध्यम / गरीब

- विद्रोह में आम लोगों के भी शामिल हो जाने के साथ साथ विद्रोह का दायरा फैल गया।
- साहूकार और अमीर भी विद्रोहियों के गुस्से का शिकार बनने लगे।

ब्रिटिश शासन ताश के किले की तरह बिखर गया।

स्वाते

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

असामान्य समय में सामान्य जीवन

विद्रोह के महीनों में शहरों में क्या हुआ? उथल-पुथल के उन दिनों में लोग अपनी ज़िंदगी कैसे जी रहे थे? सामान्य जीवन किस तरह प्रभावित हुआ? विभिन्न शहरों की रिपोर्टों से पता चलता है कि सामान्य गतिविधियाँ अस्त-व्यस्त हो गई थीं। *दिल्ली उर्दू अख़बार* 14 जून 1857 की इन रिपोर्टों को पढ़िए :

यही हालात सब्ज़ियों और साग (पालक) के भी हैं। लोग इस बात पर शिकायत कर रहे हैं कि बाज़ारों में कद्दू और बैंगन तक नहीं मिलते। आलू और अरबी अगर मिलती भी हैं तो बासी, सड़ी जिसे कुँजड़ों (सब्ज़ी बेचने वाले) ने रोक कर (जमाकर) रखा हुआ था। शहर में स्थित बाग़-बगीचों से कुछ माल चंद इलाकों तक पहुँच जाता है लेकिन ग़रीब और मध्यवर्ग वाले उन्हें देखकर बस होठों पर जीभ फिरा कर रह जाते हैं (क्योंकि वे चीज़ें खास लोगों के लिए ही हैं)।

... यहाँ एक और चीज़ पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए जिससे लोगों को बड़ा नुकसान हो रहा है। मामला यह है कि पानी भरने वालों ने पानी भरना बंद कर दिया है। ग़रीब शुरफ़ा (शरीफ लोग) खुद घड़ों में पानी भरकर लाते हैं और तब जाकर घर में खाना बनता है। हलालख़ोर हरामख़ोर हो गए हैं। कई दिनों से बहुत सारे मोहल्लों में कोई आमदनी नहीं हुई है और यही हालात बने रहे तो गंदगी, मौत और बीमारियाँ शहर की आबो-हवा ख़राब कर देंगी और शहर महामारी की गिरफ़्त में आ जाएगा, यहाँ तक कि आस-पास के इलाके भी उसकी चपेट में आ जाएँगे।

➲ इन दोनों रिपोर्टों तथा उस दौरान दिल्ली के हालात के बारे में इस अध्याय में दिए गए विवरणों को पढ़ें। याद रखें कि अख़बारों में छपी ख़बरें अकसर पत्रकार के पूर्वाग्रह या सोच से प्रभावित होती हैं। इस आधार पर बताएँ कि *दिल्ली उर्दू अख़बार* लोगों की गतिविधियों को किस नज़र से देखता था?

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

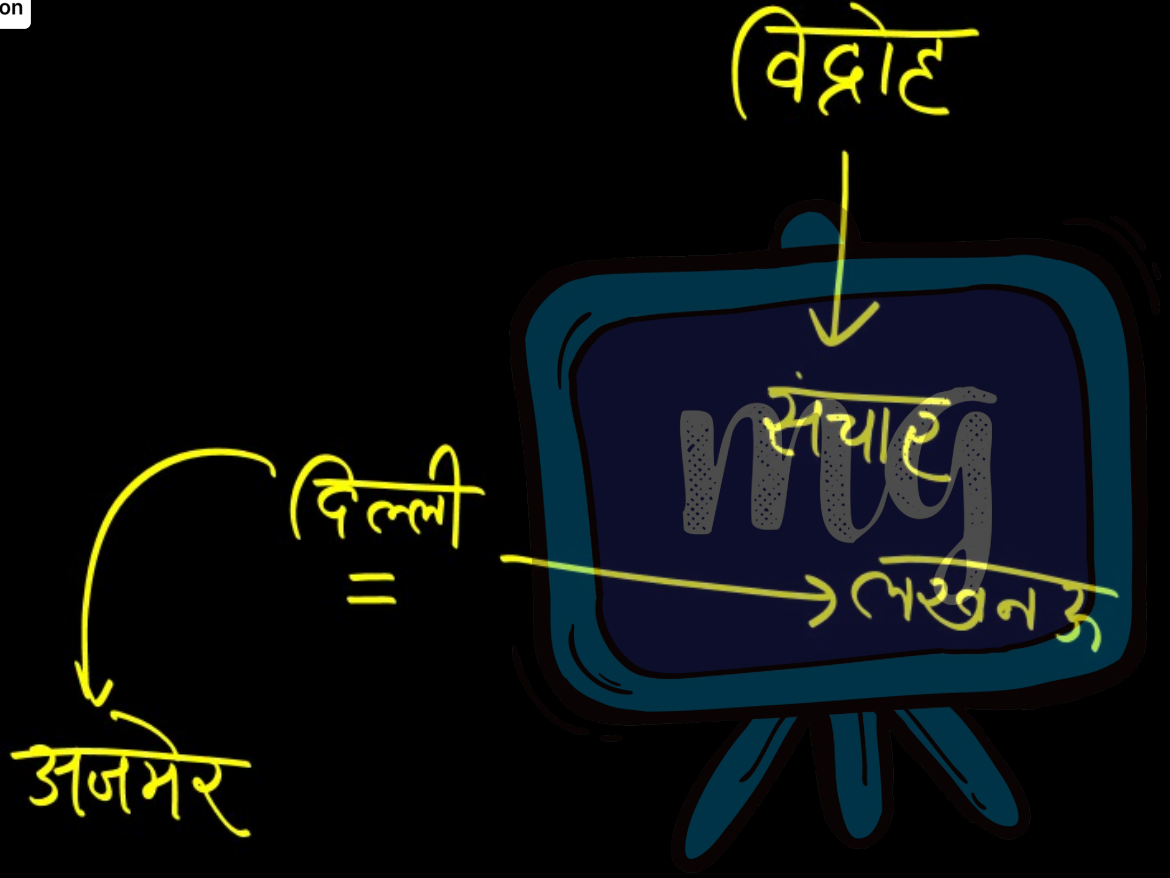

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

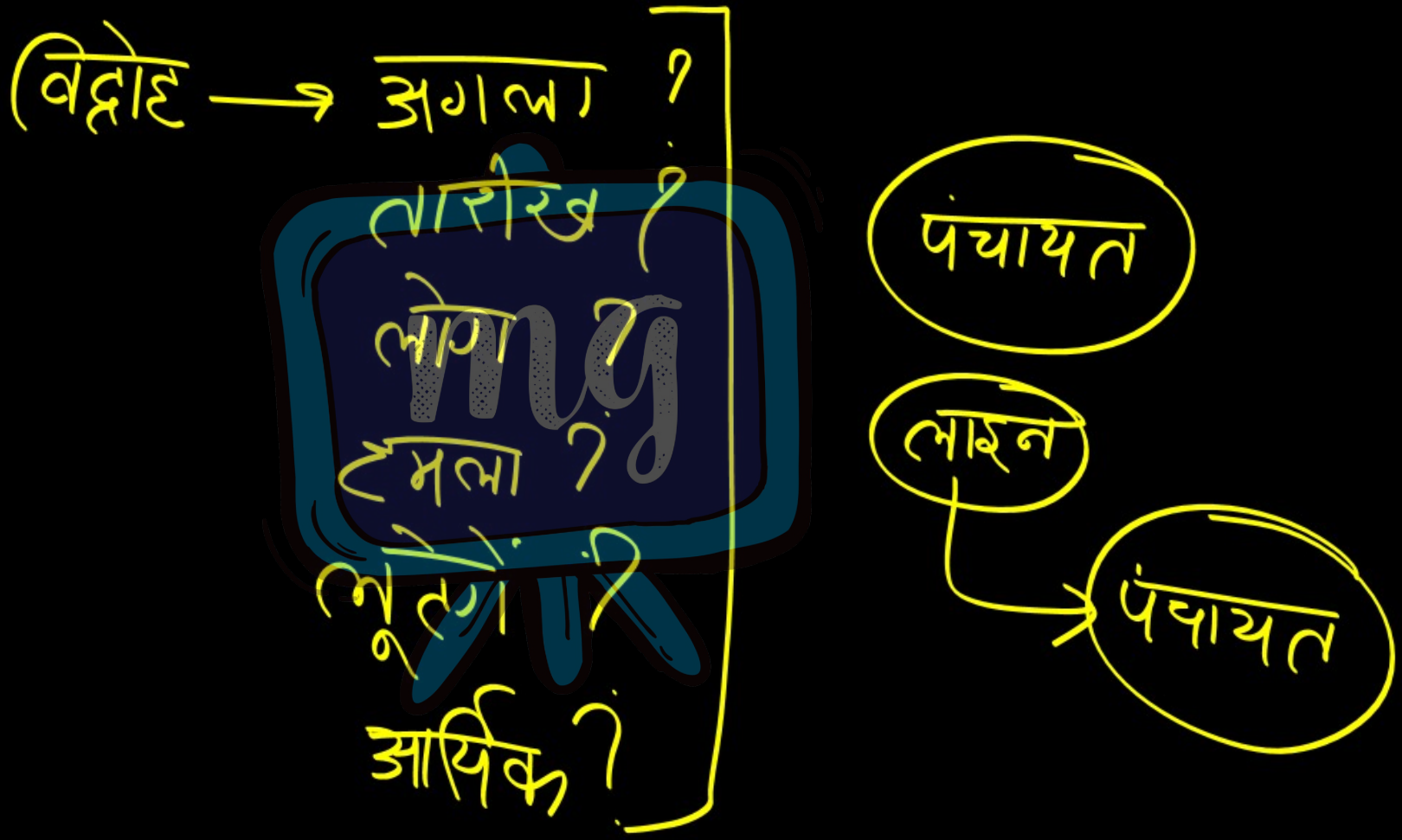

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संचार के माध्यम

उदाहरण :-

7वी अवध इर्रेग्यूलर इनफैंटरी (कारतूस)

"हमनें अपने धर्म की रक्षा के लिए फैसले लिए हैं, और 48 नेटिव इंफैंटरी के हुक्म का इंतजार है"

- विभिन्न छावनियों के सिपाहियों के बीच अच्छा संचार बना हुआ था।
- रात में सिपाहियों की पंचायतें जुड़ती थी और उनमें सामूहिक रूप से फैसले लिये जाते थे।
- ये योजनाएँ कैसे बनायी गयी ?
- योजनाकार कौन थे ?
- मौजूदा दस्तावेजों के आधार पर इन सवालों के सीधे सीधे जवाब देना कठिन है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- संभवतया इस विद्रोह की योजना लंदन में बनायी गयी थी।
  1. अजीमुल्ला खान – नाना साहब के सलाहकार
  2. रंगो जी बापू – सतारा के राजा के सलाहकार
- क्रान्ति का प्रतीक – कमल का फूल और रोटी
- प्रारम्भ करने की तिथि – 31 मई 1857

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

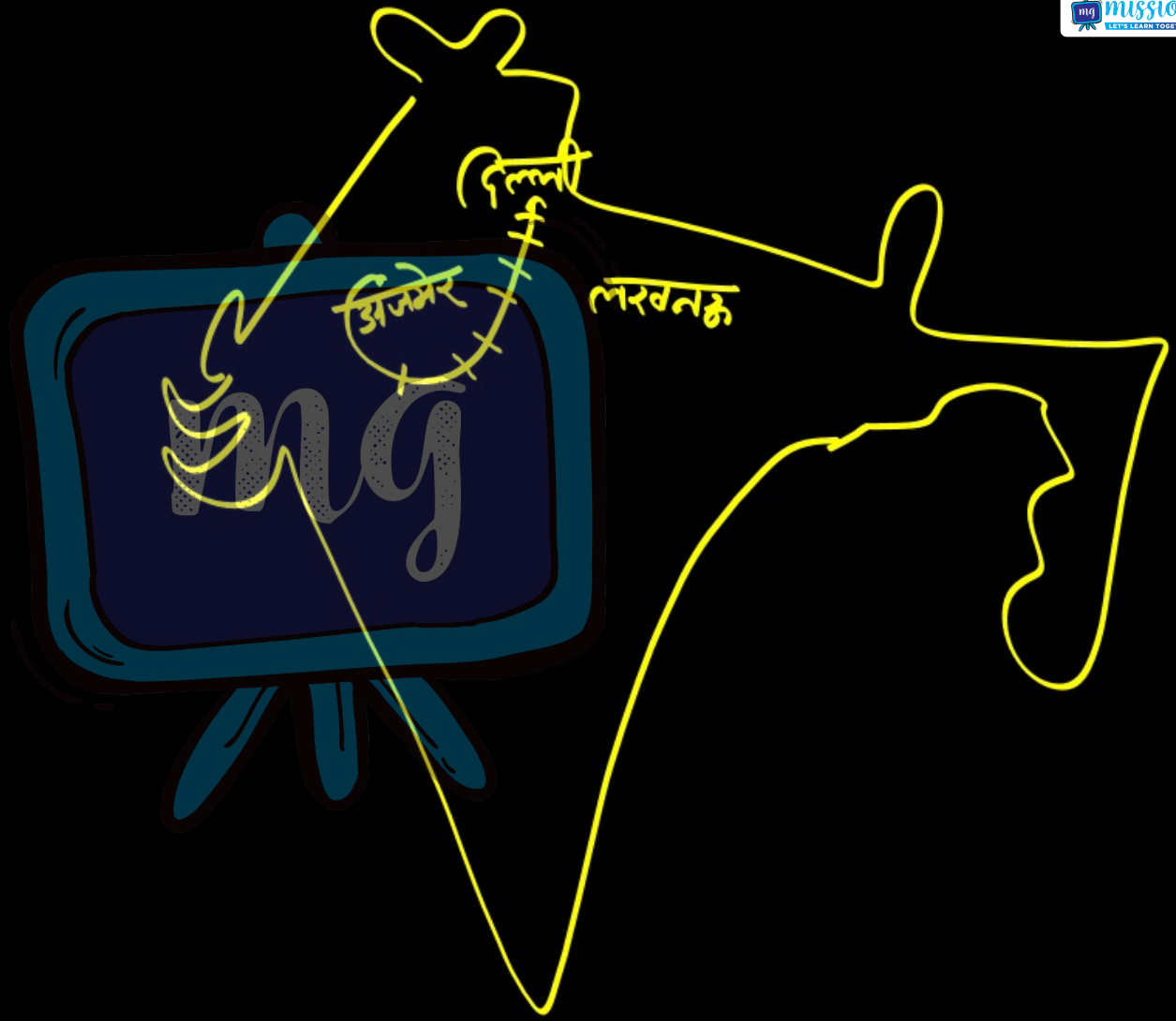

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सिस्टन और तहसीलदार

विद्रोह और सैनिक अवज्ञा के संदर्भ में सीतापुर के देसी ईसाई पुलिस इंसपेक्टर फ्रांस्वाँ सिस्टन का अनुभव हमें बहुत कुछ बताता है। वह मजिस्ट्रेट के पास शिष्टाचारवश मिलने सहारनपुर गया हुआ था। सिस्टन हिंदुस्तानी कपड़े पहने था और आलथी-पालथी मारकर बैठा था। इसी बीच बिजनौर का एक मुस्लिम तहसीलदार कमरे में दाखिल हुआ। जब उसे पता चला कि सिस्टन अवध में तैनात है तो उसने पूछा, "क्या ख़बर है अवध की? काम कैसा चल रहा है?" सिस्टन ने कहा, "अगर हमें अवध में काम मिलता है तो जनाब-ए-आली को भी पता चल जाएगा।" इस पर तहसीलदार ने कहा, "भरोसा रखो, इस बार हम कामयाब होंगे। मामला काबिल हाथों में है।" बाद में पता चला कि यह तहसीलदार बिजनौर के विद्रोहियों का सबसे बड़ा नेता था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Q. 1857 के विद्रोह की शुरुआत कैसे हुई ?

Q. विद्रोह के दौरान साहूकारो और अमीरो को नुकसान क्यो पहुचाया गया ?

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Q. उदाहरण सहित समझाइये की विद्रोहीयों मे संचार के माध्यम स्थापित थे?

Q. सैनिक विद्रोह की नीति किस प्रकार बनाते थे?

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

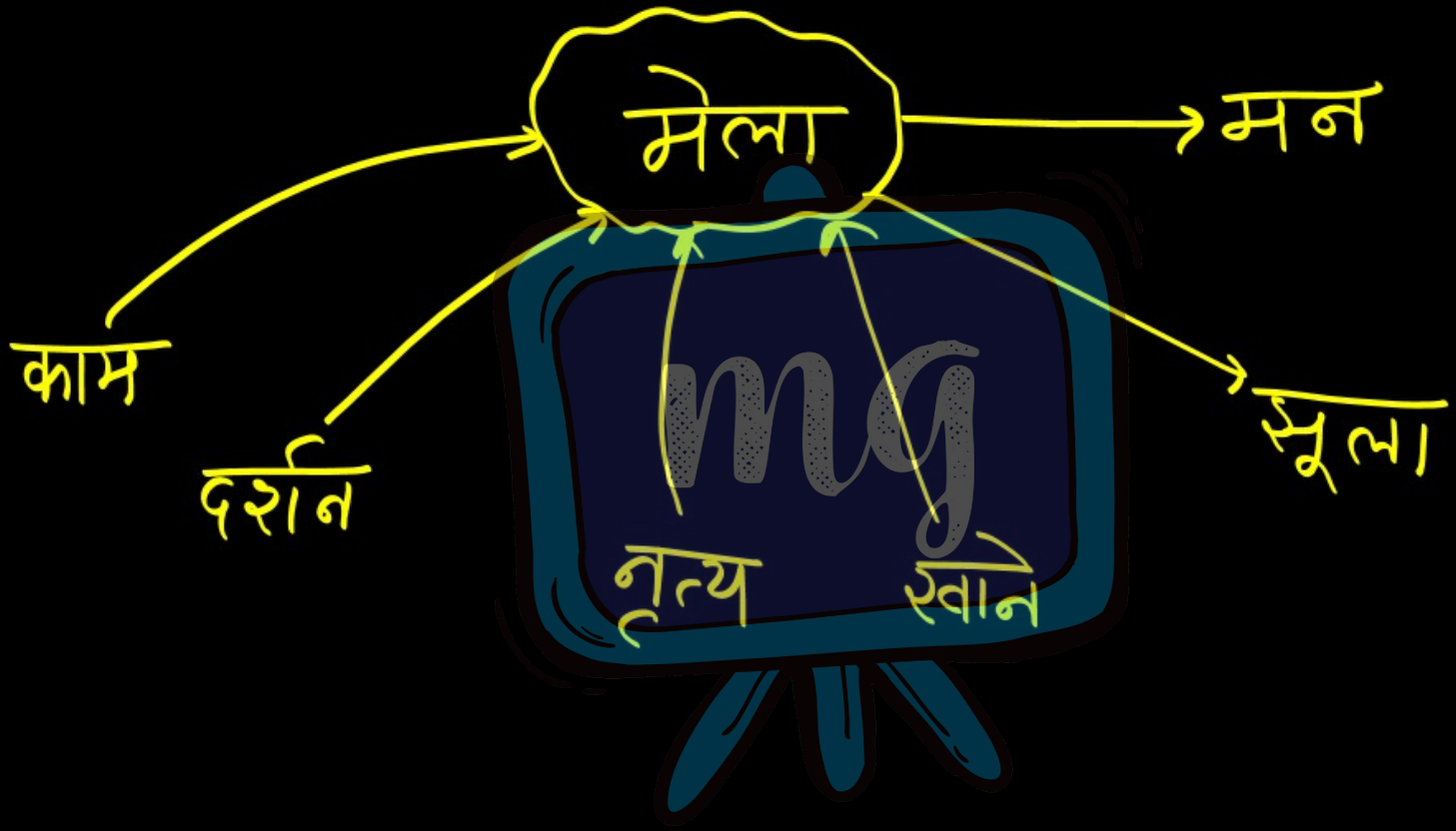

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER